श्री गंगा भक्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि देश की प्रखंडता तथा भूसत्ता की रक्षा करने के लिए वर्तमान आयुध कारखाने पर्याप्त समझे जाते हैं । मैं जानना चाहता हूं कि क्या हमारे आयुध कारखाने हमारे देश की रक्षा के लिए आधुनिकतम शस्त्र बनाने में पूरी तरह से सक्षम हैं ? यदि नहीं, तो उस का क्या कारण है ?

प्रो० शेर सिंह : मैं ने जो यह कहा कि नये कारखाने नहीं बना रहे हैं, इस का अर्थ यह नहीं है कि उन का आधुनिकीकरण नहीं करेंगे या जहां जरूरी है, वहां विस्तार नहीं कर रहे हैं । जहां जरूरी है, वहां उन की क्षमता में वृद्धि भी कर रहे हैं और जहां जरूरी समझा जाएगा, वहां हम उन का विस्तार भी करेंगे । माडर्नाइजेशन का प्रोसेस लगातार चलता रहता है । ऐसा नहीं है कि आज आधुनिकीकरण किया और कल उसे छोड़ दिया । आधुनिकीकरण चलता रहता है और उस के लिए नये प्रोजेक्ट्स भी बनाते रहते हैं ।

श्री गंगा भक्त सिंह : मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आयुध कारखानों पर व्यय की जाने वाली राशि क्या अन्य देशों, खास कर पड़ोसी देशों की तुलना में कम नहीं है ? यदि हां, तो क्या इस को सरकार बढ़ायेगी ? साथ ही पड़ौसी देशों की आक्रामक तैयारी को देखते हुए क्या नये आयुध कारखाने बनाने की योजना सरकार बनायेगी ?

प्रो० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, देश की सुरक्षा के लिए जो करना आवश्यक है वह सब किया जाता है । उस में कोई लापरवाही नहीं है ।

गोलाणी गांव में मारे गये व्यक्ति

*598. श्री लहानू सिडवा कोम : : क्या उप प्रधान मंत्री तथा रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 19 जनवरी, 1979 को नासिक जिले के गोलाणी गांव में तोप का गोला गिरने से पांच व्यक्ति मारे गए;

(ख) यदि हां, तो क्या इस घटना की कोई जांच की गई है तथा उसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(ग) क्या सरकार ने मृत व्यक्तियों के संबंधियों को मुआवजा दिया है और यदि हां, तो कितना और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार मृत व्यक्तियों के संबंधियों को पर्याप्त मुआवजा दे रही है तथा उसकी राशि क्या है; और

(ङ) क्या सरकार मृत व्यक्तियों के आश्रितों को पेंशन देगी और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उप प्रधान मंत्री तथा रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) और (ख) . नासिक जिले के गोलाणी गांव में देवलाली रेंज से बाहर 19 जनवरी 1979 को एक दुर्घटना हुई जिसमें चार व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना मिली है । प्रारम्भिक जांच पड़ताल से पता चला है कि इस दुर्घटना का कारण यह था कि जब दो मोर्टार बम फेंके गये वे निर्धारित रेंज से आगे और बाहर चले गये और वे गोलाणी गांव में गिरे । इस दुर्घटना की जांच के लिए बिठाई गई जांच अदालत अभी भी इसकी जांच कर रही है ।

(ग) से (ङ) . मृत व्यक्तियों के परिवारों को समुचित मुआवजा देने के प्रश्न पर विचार करते समय सरकार इन दुःखी परिवारों की स्थिति को पूरी तरह ध्यान में रखेगी । मुआवजा देने के प्रश्न पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है ।

श्री लहानू सिडवा कोम : अध्यक्ष महोदय, इस घटना को बीते दो माह अभी तक हो चुके हैं लेकिन अभी जांच पूरी नहीं हुई है । तो क्या मंत्री महोदय, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जांच कब तक पूरी हो जायेगी ? क्या मंत्री महोदय किसी पार्लियामेंटरी कमेटी द्वारा इस घटना की जांच कराने के लिए तैयार है ? क्या सरकार ने उन लोगों के खिलाफ जिन्होंने लापरवाही से फायरिंग की कोई कार्यवाही की है ? यदि नहीं की है तो क्यों नहीं की है ?

प्रो. शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं ने बताया है कि मोर्टर बम की निर्धारित रेंज है । वे कुछ राकेटों की मदद से भी फेंके जाते हैं और वे बहुत दूर जा कर गिरते हैं । वैसे इस फायरिंग में राकेट की सहायता नहीं ली गयी लेकिनउसकी निर्धारित रेंज ज्यादा हो गयी जितनी कि नहीं होनी चाहिए थी । उसी की वजह से यह दुर्घटना हुई । हम उस की जांच कर रहे हैं । पार्लियामेंटरी कमेटी बिठाने की जरूरत नहीं है । जांच का नतीजा जल्दी ही आ जाएगा । लेकिन हम मुआवजा देने के लिए इस बात की इंतजार नहीं करेंगे कि जब रिपोर्ट आये तभी मुआवजा दें । उस के बारे में अलग से विचार हो रहा है ।

श्री लहानू सिडवा कोम : अध्यक्ष महोदय, दो महीने हो गये हैं जब कि ये लोग फायरिंग से मरे । उन के बाल-बच्चे भूख से मर रहे हैं । उनको रोजगार नहीं मिल रहा है, काम-धंधा नहीं मिल रहा है । ये लोग भूख से मर रहे हैं । उनको अभी तक कम्पेन्सेसन क्यों नहीं दिया गया है ? इस को ढाई महीने हो गये हैं । ये लोग कैसे जिंदा रह सकते हैं । इस के बारे में मेरा सवाल है कि कब तक इनको कम्पेनसेसन दे देंगे और कितना दे देंगे ?

प्रो० शेर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं ने पहले आप से निवेदन किया है और फिर कहना चाहता हूं कि इस में ज्यादा देर नहीं लगेगी, चंद दिनों में ही मुआवजा मिल जाएगा ।

SHRI V. G. HANDE: Sir, about this incident, a detailed report has been submitted by me to the Minister concerned. Uptil now, I have

not received even a reply from him. For that I would like to register my protest. That is one thing. Secondly, I would like to bring to the notice of the hon. Minister about the fact of the matter that not only four persons were killed but several persons were also injured and dozens of animals were also killed. Whether the hon. Minister is willing to give compensation to the persons who are also injured and also to the owners of the animals which have been killed? May I also know from the Minister concerned when he is going to give the compensation?

PROF. SHER SINGH: In this incident four men were killed and nine were injured. One buffalo, one calf and one goat were also killed and two buffaloes were injured. We are looking into this matter and are giving assistance very shortly.

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा : कम्पेंसेशन देने के सम्बन्ध में आपने कहा है कि आप जांच कर रहे हैं और कुछ दिनों में दे देंगे । मैं जानना चाहता हूं कि अंतरिम सहायता देने के सम्बन्ध में आपको क्या कठिनाई है ? जिस परिवार के लोग मारे गए हैं उसको तत्काल कुछ सहायता दे कर आप उसको कुछ सान्त्वना तो दे ही सकते हैं । यह काम आपने क्यों नहीं किया है ?

श्री० शेर सिंह : हमने हिदायतें भेज दी हैं । असल में बात यह चल रही थी कि जब तक रिपोर्ट न आ जाए तब तक कम्पेंसेशन न दें । हमने इसको गलत समझा और अब हिदायतें भेज दी हैं कि और कह दिया है कि रिपोर्ट का इंतजार किए बगैर जल्दी से जल्दी मुआवजा देना है ।

DR. VASANT KUMAR PANDIT: This is not the first time that the incident of this type has taken place. In the past also few times it had happened. Whether the department is aware that firing has gone beyond the range. What specific measures or precautions they would take so that such incidents will not occur in future?

PROF. SHER SINGH: Steps are being taken. People living in the area near by are informed before hand and red flags and warning boards are placed on all sides. Other relevant steps and precautions are also taken. All precautions are taken. But in spite of that, some incidents do occur; and generally when the incident takes place within the range, we gave sometimes Rs. 2000 and sometimes Rs. 5000. The ex-gratia payments have been made. But, in this case, because the bomb went outside the range, it is a different case. Therefore, we have to give much more than that. We will examine it.

Exploitation of areas bearing Lime Stone, Bauxite, Rock Phosphate in Public Sector

*599. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether large lime stone, bauxite and rock phosphate bearing areas in the country have been reserved for exploitation in the public sector;

(b) whether Government have under consideration any scheme to undertake exploitation thereof in the near future; if so, the details thereof; and

(c) if not, whether the private sector will be allowed to undertake the exploitation thereof?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The limestone bearing areas have been reserved to provide adequate quantity of requisite quality limestone for the existing and proposed steel plants and to set up cement plants. The reserved limestone areas in Andhra Pradesh would provide this input for the proposed Vizag Steel Plant.